विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा

579. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा कम होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा कितना रहा है;

(ग) उक्त व्यापार में भारत का हिस्सा बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) जी, हां। पिछले तीन वर्षों यानी वर्ष 1989, 1990 और 1991 के दौरान विश्व व्यापार में भारत के हिस्से का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	विश्व व्यापार में % हिस्सा
1989	0·59
1990	0·59
1991	0·54

(स्रोत :—संयुक्त राष्ट्र व्यापार सांख्यिकी की मासिक बुलेटिन के विभिन्न अंक)

(ग) व्यापार नीति में जुलाई, 1991 से अनेकों परिवर्तन किए गए जिनका उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहनों को सुदृढ़ बनाना, आयात लाइसेंस को काफी हद तक समाप्त करना और आयात टैरिफ ढांचे को युक्तिसंगत बनाना था। विदेशी मुद्रा सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए रुपये को आंशिक रूप से परिवर्तनीय बना दिया गया है। इन उपायों को नई आयात-निर्यात नीति में पुनः सुदृढ़ किया गया है जिनका उद्देश्य, अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय उद्योग की उत्पादकता, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हुए निर्यात क्षमताओं को बढ़ावा देना है। इस नीति में विदेश व्यापार के लिए नियंत्रण-मुक्त ढांचे के अन्तर्गत कार्यक्रम और अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी आयात प्रतिस्थापनों तथा आत्म निर्भरता की अपेक्षा की गई है। निर्यात की गति में पुनः तेजी सुनिश्चित करने के लिए एक अल्पावधि कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त 34 वस्तुओं को "एक्स्ट्रीम फोकस" सेक्टर के रूप में अभिज्ञात किया गया है जिसका उद्देश्य निर्यात में प्रतिवर्ष 30% मूल्य बढ़ाना है।

आयातित/निर्यातित वस्तुओं का मूल्य

580. **श्री गया सिंह** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि अगस्त, 1990 से अगस्त, 1991 और अगस्त, 1991 से अगस्त, 1992 की अवधि के दौरान आयात/निर्यात की गई वस्तुओं के कुल मूल्य का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : भारत के व्यापार आंकड़े वित्तीय वर्ष आधार पर रखे जाते हैं। वित्तीय वर्ष 1990-91, 1991-92 और अप्रैल–सितम्बर, 1992 के दौरान आयात की गई वस्तुओं का कुल मूल्य निम्नानुसार है :—

(मूल्य : करोड़ रुपये)

अवधि	भारत का आयात
1990-91	43193
1991-92	47813
अप्रैल–सितम्बर, 92	31868

Action Against Export Business Houses

581. DR. SANJAYA SINH : Will the PRIME MINISTER be pleased to slate :

(a) whether it is. a fact that Government propose to take action against more than 250 big firms, including some large business houses, which have failed to meet their export obligations; and

(b) if so what ere the details in this regard 7

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) :(a) Yes, Sir.

(b) There are 514 cases of export obli-I gallon relating to Letters of Intent/Industrial licences, Foreign Collaboration approvals and Joint Venture. Out of these, in 143 cases, export obligation has been

fulfilled: in 48 cases, export obligation condition was deleted by the concerned administrative Ministries or by Secretariat for Industrial Approvals. 9 cases of defaulters have been referred for enforce-ment-cum adjudication action. Out of the remaining cases, 19 are premature where export obligation period has not commenced. In 295 cases, show cause notices have been issued to Companies to explain why export obigation has not been fulfilled.

Import of Rifampicin

582. SHRI SHIVAJIRAO GIRIDHAR PATIL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Commerce Ministry has issued licences for the manufacture of rifampicin intermediate? indiscriminately;

(b) whether it is also a fact that these licences have been issued even though rifampicin is in the negative list and imports of intermediates, therefore, needs to be strictly monitored; and

(c)whether it is iikely to affect adversely the indigenous manufactures of rifampicin?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) to (c) Commerce Ministry has not issued any licence for the import of rifampicin. However, Licences have been issued for import of intermediates for the manufacture of rifampicin on the recommendation of the concerned Administrative Ministry keeping in view the indigenous availability.

Grant of Special Import Licences

583. SHRI SHIVAJIRAO GIRIDHAR PATIL : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government have cleared all the proposals to grant special import licences to certain category of exporters in lieu of additional licence which was mooted by the Commerce Ministry in April, 1992; and

(b) if so, what, are the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) and (b) The detailed scheme for issue of Special Import Licences has been notified vide Public Notice No. 64/(PN)/92-97 dated the 2lst October, 1992, a copy of which, is available in the Parliament Library.

Decline in the Exports to US Markets

584. SHRI SHIVAJIRAO GIRIDHAR PATIL : Will the PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) whehter it is a fad; that Indian ex ports to US markets have reduced consi derably and India is losing even the usual conventional products market like bras-ware and handicrafts;

(b) whether one of the reasons for this is our poor export promotion and market ing strategies; and

(c) whether Government have taken [any steps to improve the exports to USA ?

THE DEPUTY MINISTRY IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) :

i (a) to (c) Indian exports (including handicrafts) to the USA since 1989-90 have been as follows :

Year	Total Export		Handicrafts Exports	
	Rs. Crores	$ Million	Rs. Crores	$ Million
1989-90	4474.38	2687.47	154.50	92.80
1990-91	4795.52	2672.64	155.25	86.52
1991-92	7198.53	2920.06	205.32	83.29